आखर हिंदी पत्रिका; e-ISSN-2583-0597 खंड 3/अंक 1/जनवरी 2023
Received:10/12/2022; Published:31/01/2023

शूर्पनखी

डॉ. आशा रब्ब

मूल:डॉ. कविता एस. कुसुगल (कन्नड)

हे माता शूर्पनखीबोलो ,

लक्ष्मण ने काटी थी

तुम्हारी नाक?

किस मान से डर के?

अगर तूने पीछा किया होता

तो भागने के लिए दिशाएँ क्या कम थीं?

मातेपीछा किसने किया ,?

तज दो न अपना ये मौन

आज तो!

****